(c) if so, how much the country will loss in terms of foreign exchange by such borrowings?

THE PEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE AND DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DIGVIJAY SINGH): (a) No, Sir. Indian banks, financial institutions and other institutional borrowers continue to have access to international money markets at terms consistent with India's credit rating.

(b) Yes, Sir.

(o) Borrowings in foreign exchange are approved taking into account the cost at which they are available and our own needs, so as to enable essentia] imports to be made, which would otherwise not be possible due to the trade gap. The question of loss on account of such borrowings therefore does not arise since the imports made through such borrowings are meant to add to the growth of the gross national product and to the exportable surplus.

चावल के सौदे के संबंध में केन्द्रीय जांच ब्यूरो की रिपोर्ट पर कार्यवाही

885. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्ष 1985 में चावल-सौदे में केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पाई गई अनियमितताओं पर आवश्यक कार्रवाई न करने के लिये संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्णय लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शांतिलाल पुरुषोत्तमदास पटेल): (क) और (ख) एस टी सी द्वारा दिनांक 6–3–1985 को आबूधाबी म्यूनिसिपलिटी के साथ 7500 मीं. टन बासमती चावल के निर्यात के लिये हस्ताक्षरित संविदा के मामले में सी बी आई ने संबंधित मुख्य विपणन प्रबंधक के खिलाफ बड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने और एस. टी सी के कुछ अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामूली दंडात्मक कार्रवाई करने की सिफारिश की थी । इस बारे में नियमित रूप से विभागीय वैधानिक कार्रवाई की गई । जांच रिपोर्ट/स्पष्टीकरणों पर पर्याप्त विचार करने के बाद मुख्य विपणन प्रबंधक पर "निंदा" (सेंसर) का दंड लगाया गया और बाकी लोगों को दोषमुक्त कर दिया गया ।

बोकारो इस्पात संयंत्र का विस्तार

886. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बोकारो स्टील लिमिटेड की वर्तमान उत्पादन क्षमता कितनी है और क्या इसके विस्तार का कोई प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलवराज पाटिल) : (क) और (ख) बोकारो इस्पात कारखाने में अपरिष्कृत इस्पात की वर्तमान उत्पादन क्षमता 40 लाख मी० टन वार्षिक है । इस समय इसका और अधिक विस्तार करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत चलने वाली मिलें

887. **श्री शंकर दयाल सिंह : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) वर्तमान में राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत चलने वाली मिलों की संख्या कितनी है और उनकी अलग-अलग उत्पादन क्षमता कितनी है;